KIJAHS V6 (2019) 50-53

Kaav International Journal of Arts, Humanities & Social Sciences
(A Refereed Blind Peer Review Journal)

नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का लैंगिक आधार पर अध्ययन

[1]प्रो. (डॉ.) मंजू शर्मा, [2]प्रीति शर्मा

[1](डीन), फैकल्टी ऑफ़ एज्यूकेशन एण्ड मैथ्डोलॉजी, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, झरना जयपुर (राजस्थान
[2]शोधार्थी, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, झरना जयपुर (राजस्थान)

Received: Apr 10, 2019; Revised: May 8, 2019; Accepted: May 25, 2019

Article Info

ISSN: 2348-4349
Volume -6, Year-(2019)
Issue-02
Article Id:-
KIJAHS 2019/V-6/ISS-2/A12

मुख्य शब्दावली-
अधिगम शैली, नवीन अधिगम तकनीक, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड।

© 2019 Kaav Publications. All rights reserved

A b s t r a c t सारांश-

शिक्षकों द्वारा कक्षा-कक्ष में किया जाना वाला अध्यापन मुख्य रूप से विद्यार्थियों के अधिगम स्तर पर केन्द्रित रहता है। विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में वृद्धि करने हेतु शिक्षण निरंतर नवीन तकनीकों को अपनाते हैं। प्रस्तुत शोध कार्य का उद्देश्य अधिगम की इन नवीन तकनीकों के प्रति राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों की माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की अभिवृत्ति का लैंगिक आधार पर अध्ययन करना है। भारत गणराज्य के राजस्थान राज्य के जयपुर शहर में स्थित राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से विद्यालयों की माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापनरत 500 शिक्षकों का सौद्देश्य न्यादर्शन विधि से चयन किया गया। न्यादर्श में कुल 208 पुरुष शिक्षक एवं 292 महिला शिक्षक सम्मिलित थीं। दत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया। टी टेस्ट के माध्यम से विश्लेषित आंकड़ों से ज्ञात हुआ कि समग्र रूप से जयपुर शहर में स्थित राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विधालयों की माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापनरत पुरुष शिक्षकों की अभिवृत्ति उच्च एवं महिला शिक्षकों की अभिवृति अत्यंत उच्च पाई गयीएवं महिला शिक्षकों की नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति अभिवृत्ति अत्यंत उच्च पाई गयी किन्तु सार्थक अंतर नहीं पाया गया। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापनरत पुरुष शिक्षकों की अभिवृत्ति निम्न पाई गए जबकि महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति औसत स्तर की पाई गयी और इनमे सार्थक अंतर पाया गया। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापनरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति अत्यंत उच्च पाई गयी एवं इनमे सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

प्रस्तावना

अधिगम शैली प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों की एक श्रंखला को संदर्भित करती है जिसका उद्देश अधिगम क्षमताओं की विभिन्नताओं के आधार पर व्यक्तियों का वर्गीकरण करना है। इन सिद्धांतों के अनुसार व्यक्तियों को उनकी अधिगम शैलियों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है (Coffield, Moseley, Hall, & Ecclestone, 2004) । एक आम धारणा है कि व्यक्तियों की अधिगम शैली भिन्न-भिन्न होती है और यह भिन्नता उनके विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि से परिलक्षित होती है। (Willingham, Hughes, & Dobolyi, 2015)

व्यक्तिगत अधिगम शैलियों का विचार 1970के दशक में लोकप्रिय हुआ और शिक्षण-अधिगम के क्षेत्र को सार्थक रूप से प्रभावित किया। विद्यार्थी की अधिगम शैली का यदि पूर्व आंकलन कर लिया जाए तो शिक्षक उसकी शैक्षणिक समस्याओं का समाधान सही प्रकार से कर सकेगा एवं विद्यार्थी की अधिगम आवश्यकताओं को संतुष्ट कर सकेगा (Pashler, McDaniel, Rohrer, & Bjork, 2008) । शिक्षक अपने विद्यार्थियों की अधिगम शैलियों का आंकलन करते हैं और प्रत्येक विद्यार्थी की अधिगम शैली के अनुरूप अपनी शिक्षण व्यूह रचना का निर्माण करते हैं (Pritchard, 2005)।

विद्यार्थियों के अधिगम के विकास हेतु शिक्षक निरंतर नवीन अधिगम तकनीकों का विकास अथवा निर्माण करते हैं और विभिन्न विद्वानों, मनोवैज्ञानिकों अथवा शिक्षकों द्वारा विकसित अधिगम तकनीकों को कक्षा-कक्ष शिक्षण में अपनाते हैं।

शोध की आवश्यकता एवं महत्त्व-

शिक्षा के क्षेत्र से प्रत्यक्ष सम्बद्धता एवं शिक्षा को ही जीवन शैली के रूप में अपनाने के कारण अनुसन्धानकर्त्री भारत में हो रहे शैक्षिक विकास एवं गतिविधियों पर विशिष्ट रूचि रखती है। विगत कुछ समय से विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में लैंगिक अथवा विद्यालय के आधार पर गहन अंतर देखा गया है (Anam, 2018)। क्या इसके अधिगम तकनीक जिम्मेदार है जो विद्यालयों में विद्यार्थियों को अधिगम हेतु प्रेरित करती है। इन अधिगम तकनीकों में कुछ परंपरागत होती हैं और कुछ नवीन। नवीन अधिगम तकनीकों के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन करने की दृष्टि से प्रस्तुत शोधकार्य आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है।

न्यादर्श-

जयपुर शहर में स्थित राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों की माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापनरत 500 शिक्षकों का सौद्देश्य न्यादर्शन पद्धति से चयन किया गया जिनमे 208 पुरुष शिक्षक एवं 292 महिला शिक्षक सम्मिलित थीं।

उपकरण-

दत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया जिसमे 20 पद हैं। उपकारण लिकेर्ट की पञ्च-बिंदु मापनी के आधार पर निर्मित किया गया है। उपकरण की विश्वसनीयता का निर्धारण तीन विधियों से किया गया- क्रोनबेच विश्वसनीयता गुणांक 0.74 प्राप्त हुआ, अर्ध-विच्छेद (सम-विषम) विश्वसनीयता गुणांक 0.61 प्राप्त हुआ तथा स्पीयरमैन-ब्राउन समायोजन के साथ अर्ध-विच्छेद (सैम-विषम) विश्वसनीयता गुणांक 0.75 प्राप्त हुआ। इस प्रकार उपकरण विश्वसनीय है। उच्च विश्वसनीयता गुणांक उपकरण के वैध होने की पुष्टि करते हैं।

सांख्यिकीय विश्लेषण-

तालिका 1: नवीन अधिगम तकनीक के प्रति पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति

समूह (Groups)	न्यादर्श (N)	स्वातंत्र्य अंश (Df)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	टी मान (T)	प्रायिकता मान (p)	सार्थकता (a=0.05)
पुरुष शिक्षक	208	498	72.06	11.21	1.51	0.13	असार्थक, p>0.05
महिला शिक्षक	292		73.57	10.74			

तालिका क्रमांक 1 से ज्ञात होता है कि जयपुर शहर के विद्यालयों में अध्यापनरत माध्यमिक स्तर की महिला शिक्षकों की नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांक पुरुष शिक्षकों की तुलना में अधिक हैं। प्राप्तांकों में यह अंतर सार्थक नहीं है (p>0.05)। उपकरण के मानकों के आधार पर प्राप्त मध्यमान नवीन तकनीक के प्रति पुरुष शिक्षकों की उच्च एवं महिला शिक्षकों की अत्यंत उच्च अभिवृत्ति का प्रदर्शन करते हैं।

 Copyright 2019 Kaav Publications

मध्यमान (Mean)

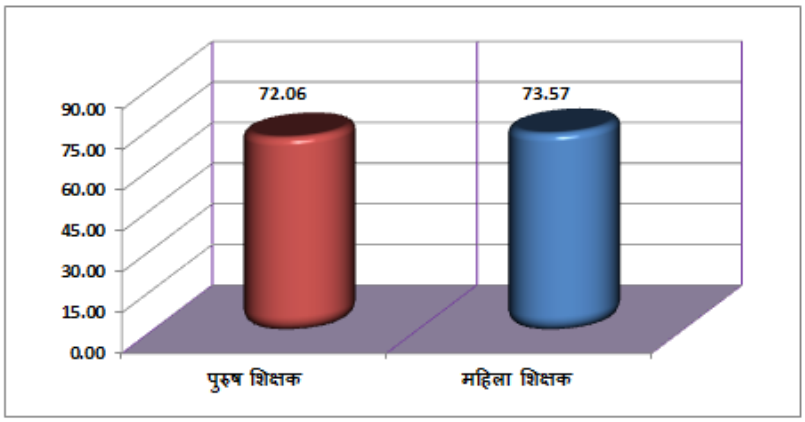

आरेख क्रमांक 1

नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति

तालिका 2: नवीन अधिगम तकनीक के प्रति रा. मा. शि. बोर्ड के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति

समूह (Groups)	न्यादर्श (N)	स्वातंत्र्य अंश (Df)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	टी मान (T)	प्रायिकता मान (p)	सार्थकता (a=0.05)
पुरुष शिक्षक	90	248	63.73	7.25	4.99	0.00	सार्थक p<0.05
महिला शिक्षक	160		69.11	9.53			

तालिका क्रमांक से ज्ञात होता है कि जयपुर शहर के राजस्थान 2 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों मेंअध्यापनरत माध्यमिक स्तर की महिला शिक्षकों की नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांक पुरुष शिक्षकों की तुलना में अधिक हैं। प्राप्तांकों में यह अंतर सार्थक है)p<0.05)। उपकरण के मानकों के आधार पर प्राप्त मध्यमान नवीन तकनीक के प्रति पुरुष शिक्षकों की निम्न एवं महिला शिक्षकों की औसत अभिवृत्ति का प्रदर्शन करते हैं। मध्यमान)**Mean)**

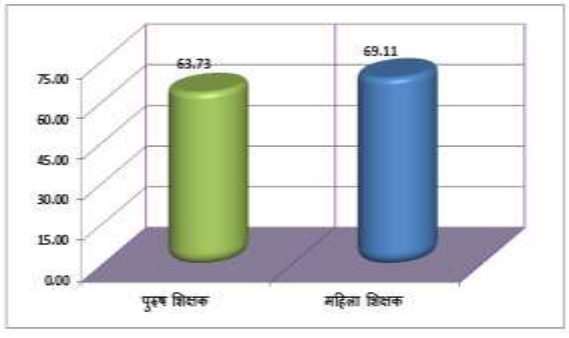

आरेख क्रमांक 2

नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति रा.मा.शि.बो .के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति

परिचर्चा-

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापनरत माध्यमिक स्तर के शिक्षकों ने अधिगम की नवीन तकनीक के प्रति समग्र रूप से क्रमश उच्च एवं अत्यंत उच्च अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के विद्यार्थिओं ने जहां अधिगम की नवीन तकनीक के प्रति औसत अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया वहीं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति उच्च अत्यंत उच्च पाई गयी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के शिक्षकों में नवीन तकनीक के माध्यम से अधिगम के प्रति अभिवृत्ति समग्र रूप से प्राप्त अभिवृत्ति प्राप्तांकों से एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के शिक्षकों की तुलना में अधिक पाई गयी। लैंगिक आधार पर किसी समग्र रूप से महिला एवं पुरुष शिक्षकों की अभिवृत्ति एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के महिला एवं पुरुष शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के महिला एवं पुरुष शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया। अधिगम की नवीन तकनीक के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति के प्राप्तांकों को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा संबंधी अभिकरणों को विद्यालयों में नवीन तकनीक अपनाने हेतु विशिष्ट प्रयास करने चाहिए।

निष्कर्ष-

1. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापनरत माध्यमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों द्वारा अधिगम की नवीन तकनीक के प्रति उच्च अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया गया तथा महिला शिक्षकों द्वारा अत्यंत उच्च अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया गया। पुरुष एवं महिला शिक्षकों अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।
2. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापनरत माध्यमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों द्वारा अधिगम की नवीन तकनीक के प्रति औसत अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया गया जबकि महिला शिक्षकों द्वारा उच्च अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया गया। पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया। पुरुष शिक्षकों का परंपरागत विधियों पर विश्वास एवं नवीन विचारों को अपनाने में महिला शिक्षकों की तुलना में पिछड़ना इसके प्रमुख कारण रहा।
3. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापनरत माध्यमिक स्तर के पुरुष एवं महिला शिक्षकों द्वारा अधिगम की नवीन तकनीक के प्रति अत्यंत उच्च अभिवृत्ति का प्रदर्शन किया गया। पुरुष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ-

1. Anam, A. (2018). Here's a timeline of Bihar board exam cheating cases, history and scams. 12, May. New Delhi: India Today . Retrieved November 22, 2018, from https://www.indiatoday.in/education-today/featurephilia/story/bihar-cheating-cases-history-scams-and-precautions-1231695-2018-05-12
2. Coffield, F., Moseley, D., Hall, E., & Ecclestone, K. (2004). Learning styles and pedagogy in post-16 learning: a systematic and critical review. London: Learning and Skills Research Centre.
3. Diaz, D. P., & Cartnal, R. B. (2017). Comparing student learning styles in an online distance learning class and an equivalent on-campus class. College Teaching, 47(4), 130-135. Retrieved September 12, 2018, from http://www.c3l.uni-oldenburg.de/cde/support/readings/diaz.htm
4. Pashler, H., McDaniel, M., Rohrer, D., & Bjork, R. A. (2008, December). Learning styles: concepts and evidence. Psychological Science in the Public Interest, 9(3), 105-119. doi:10.1111/j.1539-6053.2009.01038.x
5. Pritchard, A. (2005). Learning styles". Ways of learning: learning theories and learning styles in the classroom (3rd ed.). New York: Routledge.
6. Willingham, D. T., Hughes, E. M., & Dobolyi, D. G. (2015, July). The scientific status of learning styles theories. Teaching of Psychology, 42(3), 266-271. doi:10.1177/0098628315589505